



मे ता विमली की. अध्यात्मिक पदवी श्री परमपौ. प्रेरिक पौ. गिता सिन
29/189 अजैज हाउस राजामण्डी आगरा के है ।

जो वि एत विताजमिन 45।5 वर्गज धानी 377'499।5 वर्ग

मीनर पिला नं05 डाके कृष्ण कुंज मोजा रैलाना मोहार हीरहाल

रंगा मुस्तविल परगना 7 जिला आगरा पैमाइसी पुरत में 104 फीज

पड़े. में 107 फीज 8 उत्तर में 40 फीज व दक्षिण में 40 फीज

विमल स्मिताजित:-

पूरज-पिला मेक अजन्ता मेरी वाट में अमीन उपतादा ।

पड़े का- पिला नं04 श्री सुमेर के जैत ।

मुस्तार- लक 20 फीज चौनी ।

दक्षिण- 12 फीज चौली मली ।

जो मेने अपने स्त्रीधन से तबखिरे बेनामा न हिस्ता भारत स्टोर्स लिमिटेड

आगरा मोहमा स्वयं मुखर्जिता 17-12-1945 रजिस्टरी मुद्रा के जारीदा



-2-

है जिसमें अन्य कोई सादी व हिस्सेदार व दावेदार किसी किस्म का नहीं है जिसे जो माने इंतकाल औरत का होते व बीज जमीन रखदूर आज तक हर तौर के करणे व बार व व जार्ज व इंतकाल व पञ्चजीवन स्कीम आदिसे कर्ज पाक व साफ है जिसका बेका जरूरत बाद व मित्रने माकूल कीमत व पनायदा बाद के इस्तेमाल म्हावरा अपने पति के लिये रख है और जारीदार अपनी जरूरत के लिये माकूल कीमत अदा कर

रों के विरामे मेरा सरासर आग्रह है लिहाजा जमीन मजदूर का व हक

नारीदार जेल बेचना शुरू मंजूर है ।

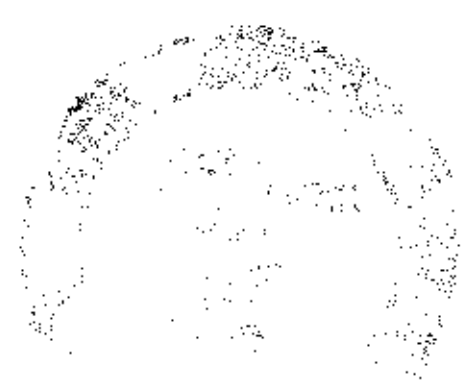
Wm

9000

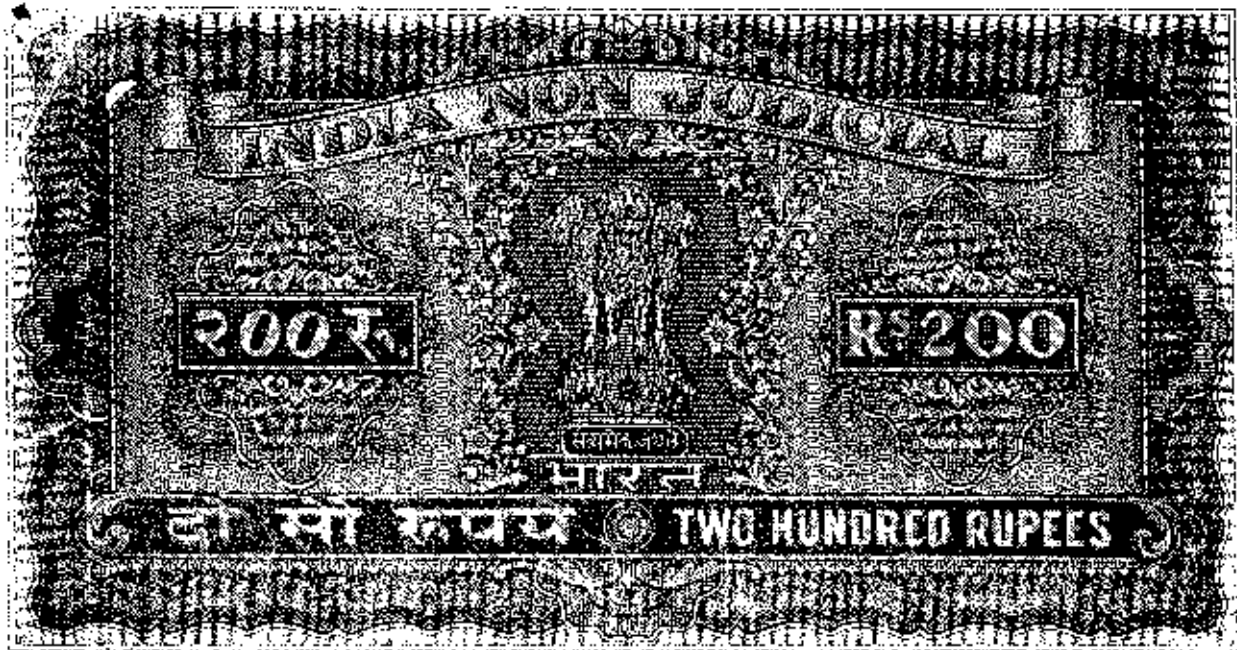
1000000

1000000

1000000



Wm



100

— 31 —

(३) ऐतह्यता मेने स्वेच्छा तथा प्रसन्नतापूर्वक स्वस्थ चित्त गन बूढि व इन्द्रिय

ले जैलारहल्लये ह सिंगारे राजायाल के जूब रागे ह स्मरणर जमीन मजदूर

मन्मथ को माया रूपान्तरित करके देवता व साधारणी मन्मथप्राप्त हुआ

विभाग के विद्वत् अधिकार ने कि जिसकी शोषण पार की अभीने 10-15 हजार

प्रति निर्माण विधि की वाजारी अमित से व एडम ००३०/४ नौ हजार

तीसहफ्ता के आधे जिसके 4510/रुबर हजार पाँच सौ पन्द्रह रुपया हो।

हे लढाऊ मैदान अजिंक्य रेरी ताके २०/१३७ राजा मण्डी आगरा चूडारा

पान नं. ११, दुसरी लास अग्रवाल पु. श्री बाळू नार अग्रवाल निवासी २२/४३७

2000
1999
1998
1997
1996
1995
1994
1993
1992
1991
1990
1989
1988
1987
1986
1985
1984
1983
1982
1981
1980
1979
1978
1977
1976
1975
1974
1973
1972
1971
1970
1969
1968
1967
1966
1965
1964
1963
1962
1961
1960
1959
1958
1957
1956
1955
1954
1953
1952
1951
1950
1949
1948
1947
1946
1945
1944
1943
1942
1941
1940
1939
1938
1937
1936
1935
1934
1933
1932
1931
1930
1929
1928
1927
1926
1925
1924
1923
1922
1921
1920
1919
1918
1917
1916
1915
1914
1913
1912
1911
1910
1909
1908
1907
1906
1905
1904
1903
1902
1901
1900

1990
1989
1988
1987
1986
1985
1984
1983
1982
1981
1980
1979
1978
1977
1976
1975
1974
1973
1972
1971
1970
1969
1968
1967
1966
1965
1964
1963
1962
1961
1960
1959
1958
1957
1956
1955
1954
1953
1952
1951
1950
1949
1948
1947
1946
1945
1944
1943
1942
1941
1940
1939
1938
1937
1936
1935
1934
1933
1932
1931
1930
1929
1928
1927
1926
1925
1924
1923
1922
1921
1920
1919
1918
1917
1916
1915
1914
1913
1912
1911
1910
1909
1908
1907
1906
1905
1904
1903
1902
1901
1900

1990
1989
1988
1987
1986
1985
1984
1983
1982
1981
1980
1979
1978
1977
1976
1975
1974
1973
1972
1971
1970
1969
1968
1967
1966
1965
1964
1963
1962
1961
1960
1959
1958
1957
1956
1955
1954
1953
1952
1951
1950
1949
1948
1947
1946
1945
1944
1943
1942
1941
1940
1939
1938
1937
1936
1935
1934
1933
1932
1931
1930
1929
1928
1927
1926
1925
1924
1923
1922
1921
1920
1919
1918
1917
1916
1915
1914
1913
1912
1911
1910
1909
1908
1907
1906
1905
1904
1903
1902
1901
1900

1990
1989
1988
1987
1986
1985
1984
1983
1982
1981
1980
1979
1978
1977
1976
1975
1974
1973
1972
1971
1970
1969
1968
1967
1966
1965
1964
1963
1962
1961
1960
1959
1958
1957
1956
1955
1954
1953
1952
1951
1950
1949
1948
1947
1946
1945
1944
1943
1942
1941
1940
1939
1938
1937
1936
1935
1934
1933
1932
1931
1930
1929
1928
1927
1926
1925
1924
1923
1922
1921
1920
1919
1918
1917
1916
1915
1914
1913
1912
1911
1910
1909
1908
1907
1906
1905
1904
1903
1902
1901
1900

10/11/19

1/2

10/11/19

10/11/19



10/11/19

10/10/10

10/10/10

delivered to the ...
... ..

Handwritten signature
... ..
... ..